5 Rs

INDIA

पाँच रुपये

सत्यमेव जयते

FIVE RUPEES भारत FIVE RUPEES

पाँच रुपये

(1)

सच्ची प्रतिलिपि

15/6/09 ... 2009

जिला अवर निबंधक,
दुमका।

20
20
42
39
121

1136, 1137, 1138
156

156

5000 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५000रु.   Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हजार रूपये   FIVE THOUSAND RUPEES

Stamp duty .... Rs.

Under Municipal ....

Under Development Act ..... Rs.

1000

1990-00

36-00

1956-00

नाम लिखनेवाले पिता का नाम निवासस्थान आदि।

श्री सिद्धीनाथ आचार्य पिता स्व० पंडित बद्रीनाथ आचार्य जाति ब्राह्मण पेशा कास्तकारी निवासस्थान [illegible] थाना ... सबडिवीजन की रजिस्ट्री ऑफिस ... जिला ..., भारतीय नागरिक।

नाम क्रेता पिता का नाम निवासस्थान आदि।

श्री कल्याणनन्द सिंह पिता श्री रंजीत सिंह जाति राजपूत पेशा खेती आदि निवासस्थान ... थाना ... सबडिवीजन की रजिस्ट्री

(3) 2000Rs.

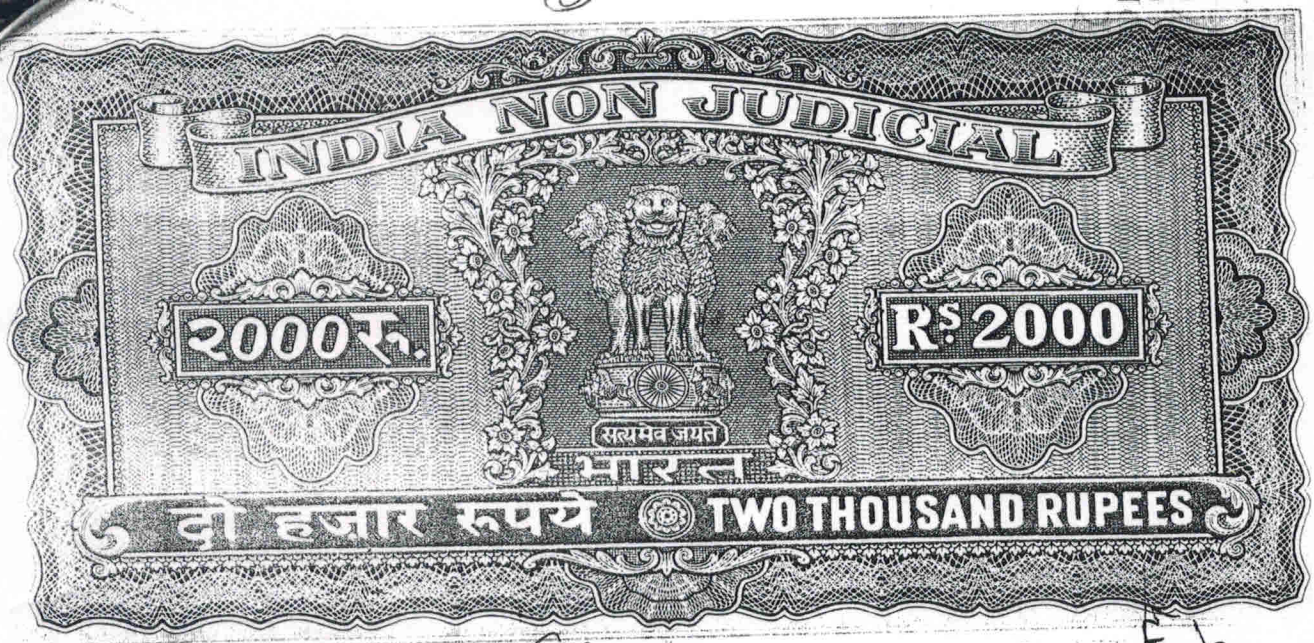

INDIA NON JUDICIAL

२०००रु. Rs 2000

सत्यमेव जयते

भारत

दो हजार रुपये TWO THOUSAND RUPEES

(2)

ऑफिस [illegible] जिला उन्नाव, भारतीय नागरिक।

लेख्यप्रकार :- विक्रय पत्र / Sale Deed

सम्पत्ति का मूल्य :- मो० 48,000.00 अड़तालीस हजार रुपया मात्र।

सम्पत्ति का पूरा विवरण जिसे विक्रय करते हैं। [illegible] $\frac{22}{22}$ खसरा [illegible] [illegible] 18 [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] 0-2-6 [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]।

(3) (4)

मुताबिक मानचित्र जो इस दलील के साथ संलग्न है, एवं जो सम्पूर्ण लाल रंग से अंकित है। जिसकी चौहद्दि इस प्रकार है

उत्तर - 4 फुट खड़ंजा गली, बाद मकान बिन्दा सिंह।

दक्षिण - 21 फुट प्रयोग रोड।

पूरब - इसी खसरा न० 128 का कुछ भाग जिसे श्री रामाधार सिंह जी ने क्रय किये हैं।

पश्चिम - इसी खसरा न० 128 का कुछ भाग जिसे श्री रमेश कुमार सिंह जी ने क्रय किये हैं।

विदित होवे कि लेख्यकारी ने खसरा न०128 रकबा 0-5-5 सवा का हिस्सा बखरी अराजी परती बाके मौजा नयापुरवा नवल थाना [illegible] को ज़मींदार [illegible] से बज़रिये पट्टा दलील के द्वारा प्राप्त किये हैं। जिस पट्टा दलील की रजिस्ट्री [illegible] रजिस्ट्री ऑफिस से हुई है। जिसका पुस्तक संख्या 1 जिल्द संख्या 2 पृष्ठ संख्या 545 से 548 को निबन्धित जिसकी संख्या 261 सन 1986 ई० है।

[illegible] 28/10/18

[illegible]

(4) (5)

यह विक्रेताकारी की स्वउपार्जित
कलेष्ठी सम्पत्ति है, एवं विक्रय आदि करने
का पूर्ण अधिकार प्राप्त है। विक्रेताकारी
उक्त सम्पत्ति के ऊपर पावलकार रहकर
मालगुजारी लगान आदि नाम से अदायगी करते
चले आ रहे हैं।
चूंकि विक्रेताकारी को अभी
प्रथम गृहादि निर्माण करने के लिये
तथा निजी अन्यान्य कार्यों के लिये
रुपये की आवश्यकता है, अतः विक्रेता
करने विक्रय उक्त कलेष्ठी अराजी रकबा
0-2-6 दो कट्ठा छः धूर वाकिया
मौजा [illegible] के [illegible]
का निकाला कठिन है। इसलिये उक्त
सम्पत्ति को मो० 48000)00 अड़तालीस
हजार रुपैया मूल्य के विक्रय करने
का सोहरत किया। विक्रेताकारी के इस
इरादा को जानकर क्रेता श्री
कल्याणन्द सिंह जी ने उक्त सम्पत्ति
को देखकर एवं मो० 48,000)00 रुपैया
मूल्य में क्रय करने के लिये प्रस्तुत हुआ।

[illegible]

(५) 6

यह कीमत इस भाग के बाजार का सर्वोच्च मूल्य है, एवं शासन द्वारा निर्धारित मूल्य के अनुसार है इसलिये विक्रेतागण अपनी खुशी राजी से पूर्णतया स्वस्थ मस्तिष्क की दशा में रहकर बिना जोर दबाव व बहकावे किसी अन्य के उक्त क्रेता श्री कृष्णानन्द सिंह जी से मूल्य का कुल ४८,०००/०० रुपया नकदी पाकर ऊपर वर्णित उस [illegible] के खसरा नं० ५ की बखरी सम्पत्ति को आप क्रेता महोदय को विक्रय किया तथा उक्त सम्पत्ति के ऊपर आप क्रेता महोदय को आज की तिथि से कब्जा ठीक अपने मूल्य करा दिया। अब तक सम्पत्ति के विक्रेतागण को आज तक जिस किस्म का स्वत्व, स्वामित्व की अधिकार प्राप्त था, अथवा जो कुछ भविष्य में प्राप्त होता, वह सब ठीक उसी प्रकार आप क्रेता महोदय को आज की तिथि से प्राप्त हो गया। अब आप आप क्रेता महोदय आज की तिथि से उक्त सम्पत्ति के ऊपर काबिज

३

28/[illegible]

(घ)

को दखलकार होकर वो रहकर पुश्त-
दर पुश्त भोगो दखल किया करे तथा
इच्छानुसार दान विक्रय आदि करें।
यह सम्पत्ति सभी प्रकार से स्वत्व है
इसपर किसी प्रकार का भार आदि नहीं
है अगर भविष्य में कोई पाया
जाय तो उसका हर्जा व खर्चा जात
और दिगर जायदाद से देंगी, तथा
कानूनीय दण्डनीय भी होंगी। अगर
भविष्य में उक्त सम्पत्ति के लेकर और
किसी किस्म का दाखिल आदि रजिस्ट्री
करने की आवश्यकता हो, तो बिना
दामन के हम लेख्यकारी मय वारिसान
क्रय क्रेता मय वारिसान के खर्च से
उस प्रकार का दाखिल आदि रजिस्ट्री
करने के लिये कानूनीय बाध्य रहेंगी।

मूल्य का सम्पूर्ण रुपया
क्रय क्रेता महोदय से पाया। कुछ
भी बाकी नहीं रहा। भविष्य में
मूल्य न पाने के बारे में कुछ भी
आपत्ति करें तो वह नाजायज होगा।

अब आप क्रेता महोदय को चाहिये कि उक्त सम्पत्ति के लेकर जांच के कार्यालय [illegible] मे आवेदन पत्र देकर अपना नाम दाखिला, खारीज कराना लेंगी। तथा [illegible] आदि नाम से अपने दिला लेंगी। एवं नगर पालिका के कार्यालय द्वारा से भी अपना नाम पर्ची [illegible] पालिका मे आदि नाम से अपने दिला लेंगी। यह सब इकरार कर देकर यह विक्रय पत्र बहक आप क्रेता श्री [illegible] सिंह जी के प्रति [illegible] की तामील कर दिया, जो प्रमाण रहे वक्त समय पर काम आवे इति [illegible]

ता० 28-10-[illegible]

[illegible] रेखा सं० मिश्र, [illegible]
[illegible], [illegible]
सा० [illegible] दिला
[illegible]
[illegible] मिश्र।
28/10/[illegible]

[illegible]

(9)

LAND OF DUMKA TOWN NO 7
LAND SOLD BY:- SRI. SIDHINATH UPADHAY
S/O. LATE PANDIT BADRINATH UPADHAY.
BOSURI. JAMA BANDI NO 22/32 PART PLOT NO 18
AREA B-K-D 0-2-7 {1692 SQ FT. (1692)
PURCHASED LAND BY. SRI KRISHNA SINGH
S/O. SRI. RANJIT SINGH.
OF DUMKA TOWN DUMKA.
PURCHASED LAND SHOWN IN RED

AREA. B-K-D. 0-2-7 1692 SQ FT	N. SIDE 4'-0" GALI HOUSE OF BINDA SINGH.
	S. " 21'-0" PROPOSED ROAD
	E. " LAND OF SRI. RAMA-DHAR SINGH
	W. " SRI RAMESH KUMAR SINGH.

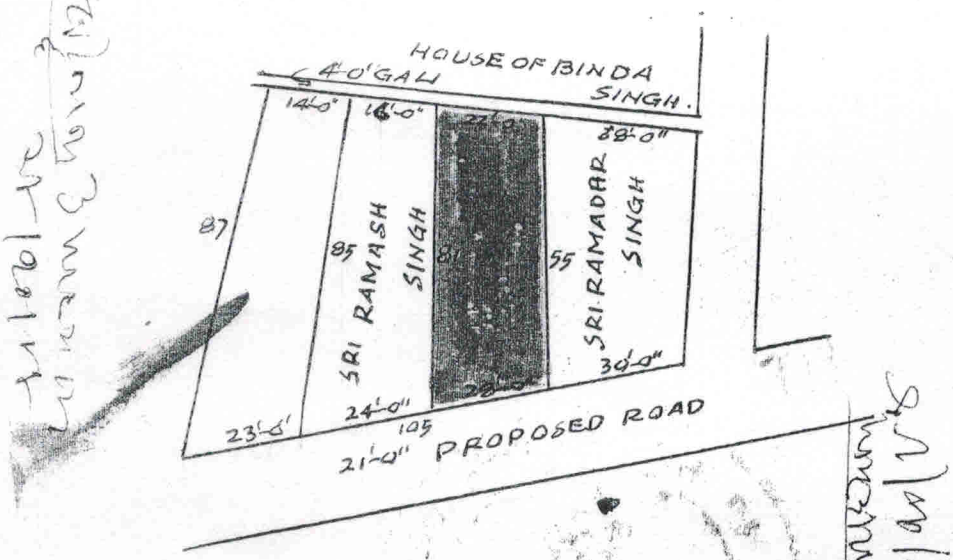

THE ORIGINAL PLAN IS EXACT AND TRUE COPY OF THE DUPLICATE PLAN.
T. BY S. Azim 22/X/94

5 RS

INDIA

पाँच रुपये | पाँच रुपये

सत्यमेव जयते

FIVE RUPEES भारत FIVE RUPEES

(1) सच्ची प्रतिलिपि

जिला अवर निबंधक,
दुमका

15-6

15-6

जि० अ० नि०

5000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५000रु. Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हजार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

5080-00
260-00
260-00
7000-00
1920-00
36-00
1956-00

[illegible]

नाम लेखकारी पिता का नाम वो निवास स्थान आदि } श्री सिद्धनाथ उपाध्याय पिता स्व० पंडित बद्रीनाथ उपाध्याय जाति ब्राह्मण पेशा काश्तकारी निवासस्थान [illegible] थाना [illegible] सबडिवीजन वो रजिस्ट्री ऑफिस [illegible] जिला [illegible] । भारतीय नागरिक ।

2

नाम क्रेता पिता का नाम वो निवास स्थान आदि } श्री अनिल कुमार सिंह पिता श्री रत्नेश्वर सिंह जाति राजपूत पेशा [illegible] निवासस्थान [illegible] थाना [illegible] सबडिवीजन वो रजिस्ट्री ऑफिस

(3) 2000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

२000रु. Rs 2000

सत्यमेव जयते

भारत

दो हज़ार रूपये TWO THOUSAND RUPEES

(२)

ठाणा जिल्हा ठाणा । भारतीय नागरीक ।

मिळकतीचा प्रकार :- विक्रय पत्र । Sale deed.

संपत्तिचा मूल्य :- मोठ ४८,०००)०० अक्षरी अठ्ठेचाळीस हजार रुपये मात्र ।

संपत्तिचा पूर्ण विवरण आणि विकत देते :- तफसील हक्क बसोडी [illegible]
पडती नय कुळ हक्क वी हक्क
वाजे गोठा नया ठाणा [illegible]
तालुका ठाणे ठाणा व्ये [illegible]
नवउबोलन वे रजिस्ट्री ऑफिस ठाणा
जिल्हा ठाणा । [illegible] ठाणा [illegible]
बसि है, अज़ार ठाणा महानगरपालिका
वॉर्ड नं. १२ [illegible] है [illegible]
जाति पडती है बसोडी [illegible] नं. २२/५२
[illegible] नं. १२ [illegible]
रकबा ०-२-६ वी [illegible]
सालाना [illegible]
[illegible] जो [illegible]

[illegible]

साथ संलग्न है, एवं जो सम्पूर्ण
लाल रंग से अंकित है। जिसकी
चौहद्दि इस प्रकार है

उत्तर :- "8" फुट खास गली, बाद
मकान बिन्दा सिंह।

दक्षिण :- "21" फुट प्रपोज रोड

पूरब :- इसी खसरा नम्बर का हिस्सा
जिसे श्री शेखर कुमार सिंह जी
ने क्रय किये हैं।

पश्चिम :- खाली जमीन

1 बाधित मौके कि लेख्यकारी के
कब्जा वाला दुकान- व खाली जमीन-
खाता का खसरा नम्बर 18 रकबा
0-5-4 सवा की जैसा वर्णित कच्ची
की जमीन दुकान रोड से क्रय
किये हैं। जिस पर दाखिल की रजिस्ट्री
द्वारा रजिस्ट्री ऑफिस से हुई है
जिसका बुक नं. 1 जिल्द संख्या 2
पृष्ठ संख्या 455 से 456 के बीच
जिसकी संख्या 2417 सन 1986 है
यह लेख्यकारी की स्वअर्जित
है

Anjana Upadhyay
28/09/2018

सम्पत्ति है, एवं विक्रय आदि करने का
पूर्ण अधिकार प्राप्त है। यह सम्पत्ति
विक्रयकर्ता के दखल की कब्जा के बिना
विघ्न बाधा के चला आ रहा है, एवं
सालाना लगान आदि नगर के [illegible]
देते चले आ रहे हैं।

चूंकि विक्रयकर्ता को अभी
अन्यत्र गृहादि निर्माण करने के लिये
तथा दीगर सांसारिक कार्यों के लिये
रुपये की आवश्यकता है, वो विक्रय किये
विक्रय [illegible] मौजा
डुमरांव का खसरा / प्लॉट नम्बर 98 कारहा
का रकबा 0-2-5 धूर कहीं [illegible]
कारणों से रुपये प्राप्त करना कठिन
है, इसलिये उक्त सम्पत्ति को मो0
48,000)00 अड़तालीस हजार रुपया
मूल्य के विक्रय करने का सौदा
किया। विक्रयकर्ता के इस इरादा
को जानकर क्रेता श्री अनिल
कुमार सिंह जी ने उक्त सम्पत्ति को
देखे, एवं मो0 48,000)00 रुपया
मूल्य के क्रय करने के लिये तैयार
हुए। यह विक्रय इस समय से

[illegible]

[illegible]

(ख) 6

बताई गई सर्वोच्च मूल्य है, एवं
समाहर्ता द्वारा निर्धारित मूल्य के
अनुसार है। इसलिये भोग्यकारी
अपनी खुशी राजी से प्रसन्नचित्त
स्वस्थ्य मस्तिष्क की दशा में बिना
किसी जबर, दबाव या प्रभाव किसी
दूसरे के उक्त क्रेता श्री अनिल कुमार
सिंह जी से मूल्य का जोड़ 48,000.00
रुपया नकदी पाकर ऊपर वर्णित इस
दस्तावेज के खाता नं. 2 की वर्णित सम्पत्ति
को आप क्रेता महोदय को विक्रय कर
दिया। तथा उक्त सम्पत्ति के आज
आप क्रेता महोदय को आज की
तिथि से कब्जा ठीक अपने तुल्य
करा दिया। इस सम्पत्ति के
भोग्यकारी को आजतक जिस किस्म
का स्वत्व, स्वामित्व व अधिकार
प्राप्त था अथवा जो कुछ भविष्यमें
प्राप्त होगा, वह सब ठीक उसी प्रकार
आज की तिथि से आप क्रेता महोदय को

(घ) (7)

प्राप्त हो गया। अब आप क्रेता
महोदय आज की तिथि से उक्त
सम्पत्ति के ऊपर मालिक व दखलकार
होकर व रहकर पुश्त-दर-पुश्त भोग
उपभोग करता रहें, तथा इच्छानुसार
दान, विक्रय आदि से व्यवहारादि
कार्य निर्बाध करते रहें। इसमें हम विक्रे-
ताओं/ हम वारिसान को भविष्य में
किसी किस्म का कोई आपत्ति नहीं होगा।
यह सम्पत्ति सभी प्रकार से स्वच्छ
है इसपर किसी प्रकार का भार आदि
नहीं है। अगर भविष्य में कोई
पाया जाय अथवा और किसी किस्म
का दोष प्रकट होय जिसके कारण
आप क्रेता हम वारिसान को इस सम्पत्ति
से अथवा इसके किसी अंश से बेदखल
हो जाना पड़े तो वैसी हालत में हम
विक्रेतागण/ हम वारिसान कुल हरजा
की खेसारत का देनदार होंगे।
मूल्य का सम्पूर्ण रुपया क्रेता
महोदय से पाया। कुछ भी बाकी
नहीं रहा। भविष्य में मूल्य न

(6) (8)

पाने के बाद के उजुर जो आपत्ति करें तो वह नाजायज होगा। अब आगे क्रेता महोदय को चाहिये कि उक्त सम्पत्ति के लेकर सम्बन्धित कार्यालय तुरन्त में आवेदन पत्र देकर अपना नाम दाखिल खारिज करा लेवें तथा सालाना खजाना आदि नाम से अदा किया करें।

यह सब इकरार कर दिया

यह विक्रय पत्र बहक आप क्रेता श्री अशोक कुमार सिंह, पिता श्याम [illegible] ठाकुर बाले जी के प्रति वही [illegible] लिख कर दिया कि प्रमाण रहे तथा समय पर काम आवे। इति

अतः ता० 24-10-1984

लेखक प्र० सिंह, [illegible]
गाँव [illegible]
सा० [illegible]
सुना दिया

[illegible]
24/10/84

(9)

(4)

LAND OF DUMKA TOWN NO 7
LAND SOLD BY SRI. SIDHINATH UPADHAY
S/O LATE PANDIT BADRINATH UPADHAY
BOSURI JAMA BANDI NO 22/32 PART PLOT NO 18
AREA B-K-D
0-2-6 { 1656 SQ FT.
1656

LAND PURCHASED BY - SRI. ANIL KUMAR SINGH
S/O. SRI. RAJASHAR SINGH.
DUMKA TOWN, DUMKA.
PURCHASED LAND SHOWN IN RED.
N. SIDE 4'-0" GALI.
AREA S. " PROPOSED ROAD.
B-K-D. E " 12'-0" PROPOSED ROAD.
0-2-6. W " DHANI LAND.
1656 SQ FT.
1656

THE DUPLICATE PLAN IS EXACT
AND TRUE COPY OF THE ORIGINAL
PLAN.
T. BY S. [illegible] 22/x/94

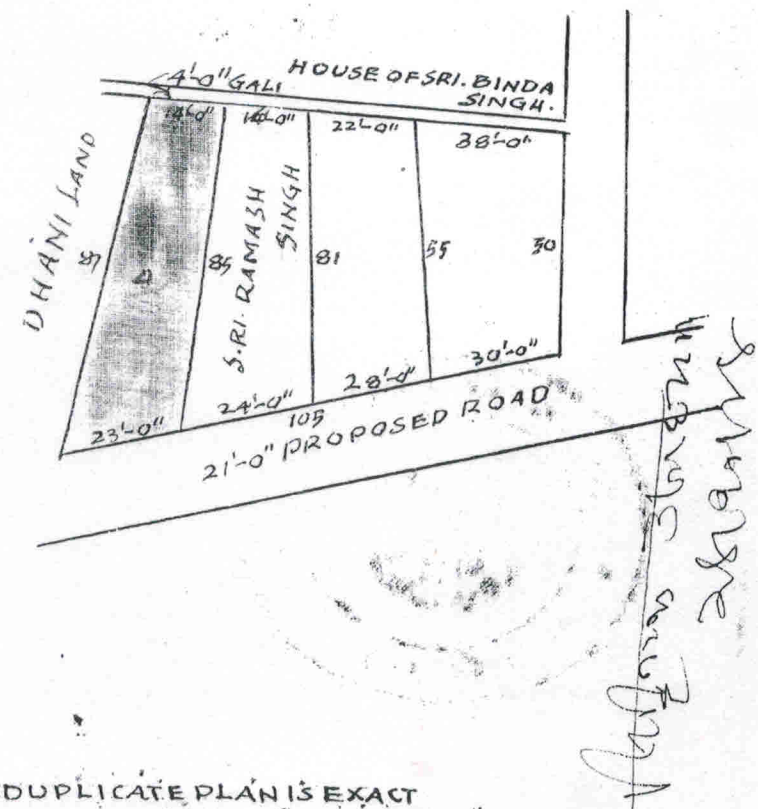

5 Rs

INDIA

पाँच रुपये

सत्यमेव जयते

FIVE RUPEES भारत FIVE RUPEES

(1)

सच्ची प्रतिलिपि

15/6/01

जिला अवर निबंधक,
दुमका

[illegible]

121 — [illegible]

[illegible]

156

156

जिला अवर निबंधक

15/6/01

Sale @ 4,8000/- Rs [illegible] 5000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५000रु. Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हजार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

Stamp duty Paid under I. S. Act 1899 Rs. 5080-00
Under Municipal Act 1962 Rs. 160-00
Under Development Act Rs. 160-00
[illegible] 2000-00

NC 1920-00
NC 36-00
1956-00

23

24/10/94

श्री सिद्धीनाथ उपाध्याय पिता स्वर्गीय पंडित बद्रीनाथ उपाध्याय जाति ब्राह्मण पेशा काश्तकारी निवासस्थान [illegible] थाना [illegible] सब रजिस्ट्री ऑफिस [illegible] जिला [illegible] भारतीय नागरिक।

श्री रमेश कुमार सिंह पिता श्री रंजीत कुमार सिंह जाति राजपूत पेशा खेती आदि उपस्थित वास स्थान [illegible] थाना [illegible] सब रजिस्ट्री ऑफिस [illegible] जिला [illegible] भारतीय नागरिक। २

2000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

२०००रु. Rs 2000

सत्यमेव जयते

भारत

दो हजार रुपये TWO THOUSAND RUPEES

(२)

लेखपत्र प्रकार :- विक्रय पत्र / sale deed.

सम्पत्ति का मूल्य :- मु० ४८,०००)०० अड़तालीस
हजार रुपये मात्र /

सम्पत्ति का पूर्ण नक्शा जिसे विक्रय किया है | तफसील हक बलोड़ी करानी पड़ती
मय कुल हक की हकूक वाके मौजा -
नया गुनगा थाना नं० 6 [illegible]
गुनगा [illegible] पता थाना सबडिवीजन
व रजिस्ट्री ऑफिस गुनगा जिला गुनगा
[illegible] गुनगा स्टेट के वाके है / अन्दर
गुनगा नगरपालिका वार्ड नं० 12 [illegible]
[illegible] नहीं है पूर्ण जाहिर पड़ती है
बलोड़ी आराजी नं० $\frac{22}{52}$ खसरा प्लॉट
नम्बर 18 अठारह का अंश / रकबा
0-2-5 डी० [illegible] मात्र / [illegible]
[illegible] [illegible] / [illegible]

[illegible]

(3) (5)

मानचित्र जो इस दलील के साथ संलग्न है, एवं जो लाल रंग से अंकित है। जिसका चौहद्दी इस प्रकार है।

उत्तर :- 4 फीट फुटपाथ नाली, बाद मकान बिन्दा सिंह।

दक्षिण :- "21" फुट प्रपोज रोड।

पूरब :- इसी दाग नं० 178 का अंश जिसे श्री कृष्णचन्द्र सिंह जी ने क्रय किये हैं।

पश्चिम :- इसी दाग नं० 178 का अंश जिसे श्री अनिल कुमार सिंह जी ने क्रय किये हैं।

विदित हो कि विक्रेतागण ने दाग नम्बर 178 वाके मौजा [illegible] खाता नं० 61 थाना [illegible] के रकबा 0-5-5 में से बड़ा पाँच धूर [illegible] जमीन [illegible] के जरिये पट्टा दलील के द्वारा प्राप्त किये हैं। जिस पट्टा दलील की रजिस्ट्री [illegible] रजिस्ट्री ऑफिस में हुये हैं। जिसका पुस्तक संख्या 1 जिल्द संख्या 2 पृष्ठ संख्या 445 से 450 तक में संबंधित जिसकी संख्या 269 सन 1986 है। यह सम्पत्ति विक्रेतागण की स्व अर्जित सम्पत्ति है, एवं विक्रय आदि करने का

पूर्ण अधिकार प्राप्त है। सम्पत्ति विक्रय-
कर्ता के दखल व कब्जा में निर्विघ्न
व निर्विवाद चला आ रहा है। विक्रयकर्ता
को उक्त सम्पत्ति के बाबत आज तक
एवं सालाना लगान आदि सब बेबाक
देते चले आ रहे हैं।

यह कि विक्रयकर्ता को अभी
अन्यत्र गृहादि निर्माण करने के लिये
तथा निजी संसारिक कार्यों के लिये
रुपये की आवश्यकता है, जो बिना
किये विक्रय उक्त सम्पत्ति के रुपये
का मिलना कठिन है, इसलिये उक्त
सम्पत्ति कुल वाजिब मालियत के जो
संलग्न है, एवं जो सम्भावी लोगे
रेग से बेहतर है जो मो० ४२०००)००
बयालीस हजार रुपया मूल्य में विक्रय
करने का सौदा तय किया। विक्रयकर्ता
के इस इरादा को जानकर आप
क्रेता श्री रविन्द्र कुमार सिंह जी ने उक्त
सम्पत्ति को देखे, एवं मो० ४२०००)००

(५) (6)

भाड़लालजी का हस्ताक्षर बैनामा मूल्य के रूप

होने के लिये प्रस्तुत हुए। यह विक्रय

वर्तमान समय के बाजार का सर्वोच्च मूल्य

है, एवं समाहर्ता द्वारा निर्धारित मूल्य

के अनुसार है। इसलिये विक्रेतागण

अपनी बहुमी राजी से प्रसन्नतापूर्वक बिना

किसी के दबाव के रहकर पेशा जोर

दबाव के बहकाव किसी दूसरे के

क्रेता श्री रीकेश कुमार सिंह जी से मूल्य

का नेट 82000/- रुपया नकद पाकर

ऊपर वर्णित उस जमीन के खाता नं ५

की खतौनी सम्पत्ति को आप क्रेता महोदय

को विक्रय कर दिया, तथा उक्त सम्पत्ति

के ऊपर आप क्रेता महोदय को आज

की तिथि से कब्जा दखल अर्पित तुरंत

करवा दिया। उस सम्पत्ति के विक्रेतागण

को आज तक जो जिस किसम का स्वत्व,

स्वामित्व के अधिकार प्राप्त था अथवा

जो कुछ भविष्य में प्राप्त होने पर वह

सब इसी प्रकार आप क्रेता महोदय को

आज की तिथि से प्राप्त हो गया।

[illegible]

[signature]

[illegible] उप नि०

अब आप क्रेता महोदय आज की तिथि से उक्त सम्पत्ति के ऊपर काबिज़ व दखलकार होकर की वहक पुस्त दर पुस्त भोग दखल करना करें, तथा इच्छानुसार दान विक्रय आदि करें। यह सम्पत्ति सभी प्रकार से स्वच्छ है, इसपर किसी प्रकार का कर्ज़ आदि नहीं है। अगर भविष्य में बाधक पाया जाय तो उसका हर्जा व खर्चा हम व हमारा जायदाद से देंगे, तथा कानूनीय दण्डनीय भी होंगे। अगर उक्त सम्पत्ति के लेकर और किसी किस्म का दलील आदि रजिस्ट्री होने की आवश्यकता हो तो बैंक मालक के हक अधिकारी सब वारिसान आप क्रेता सब वारिसान के खर्च से उस तरह का दलील आदि सम्पादन होने के लिये कानूनीय बाध्य रहेंगे। मूल्य का सम्पूर्ण रुपया आप क्रेता महोदय से पाया। कुछ भी बाकी नहीं रहा। भविष्य में मूल्य न पाने की बात के ऊपर की आपत्ति करें, तो वह नाजायज होगा। अब आप क्रेता महोदय को

(6) (8)

चाहिये कि उक्त सम्पत्ति के केवल कार्यालय उक्त में आवेदन पत्र देकर अपना नाम दाखिल खारिज करवा लेवेंगे। तथा वार्षिक राजस्व आदि नाम से अपने दिया करेंगे। एवं नगरपालिका के कार्यालय उक्त में भी अपना नाम दर्ज करवाकर नगरपालिका कर आदि नाम से अपने दिया करेंगे। यह सब प्रकार से देख यह विक्रय पत्र बहक क्रय केता श्री रेखा कुमार सिंह निवास स्थान उक्त [illegible] वाले जी के प्रति सही [illegible] लिख कर दिया। जो प्रमाण रहे तथा समय पर काम आवे। इति आज तारीख 24-10-2018 ई०

रेखा कु० सिन्हा, [illegible]

नि० [illegible], [illegible]

सा: [illegible]

[illegible] दिया [signature] 24/10/18

(97)

(3)

LAND OF DUMKA TOWN NO 7
LAND SOLD BY SRI. SIDHINATH UPADHAY
S/O LATE PANDIT BADRI NATH UPADHAY
BOSURI. JAMABANDI NO 22/32 PART PLOT NO 18
AREA B-K-D
0-2-5 {1620 SQ FT.

LAND PURCHASED BY = SRI. RAMASH KUMAR SINGH
S/O. RANJIET SINGH.
DUMKA TOWN DUMKA.

AREA. B-K-D 0-2-5 1656 SQ FT

PURCHASED SHOWN IN RED

N. SIDE 4'-0" GALI AND HOUSE OF BINDA SINGH
S. " 21'-0" PROPOSED ROAD
E. " KRISHNA SINGH
W. " SRI ANIL KUMAR SINGH.

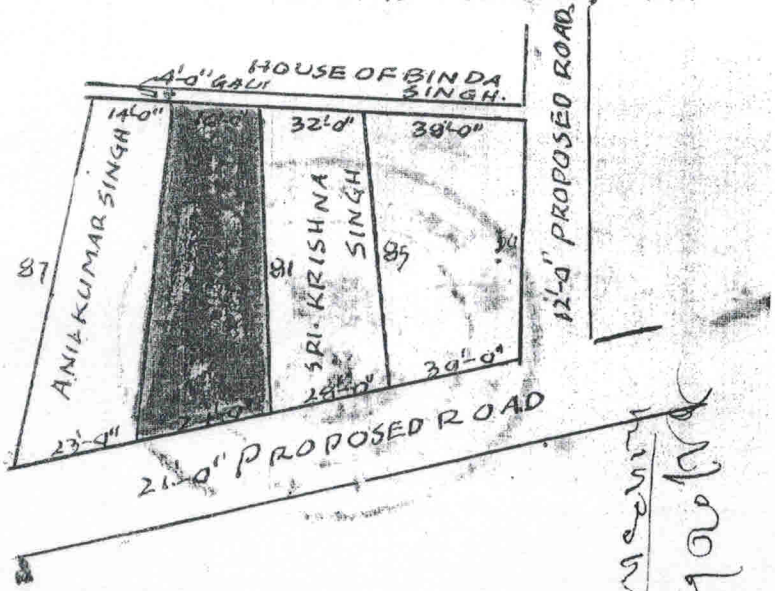

THE DUPLICATE PLAN IS EXACT AND TRUE COPY OF THE ORIGINAL PLAN.

T.B/S. 22/X/94

5 RS

INDIA

पाँच रुपये

सत्यमेव जयते

भारत

FIVE RUPEES

पाँच रुपये

FIVE RUPEES

(1)

सच्ची प्रतिलिपि

25-6-2008

जिला अवर निबंधक,
दुमका।

20
70
62
39

131 (एक सौ एकतीस) मात्र

11(30)11 31 11 37

156

156

जिला अवर निबंधक

जि० अ० नि०

5000Rs.

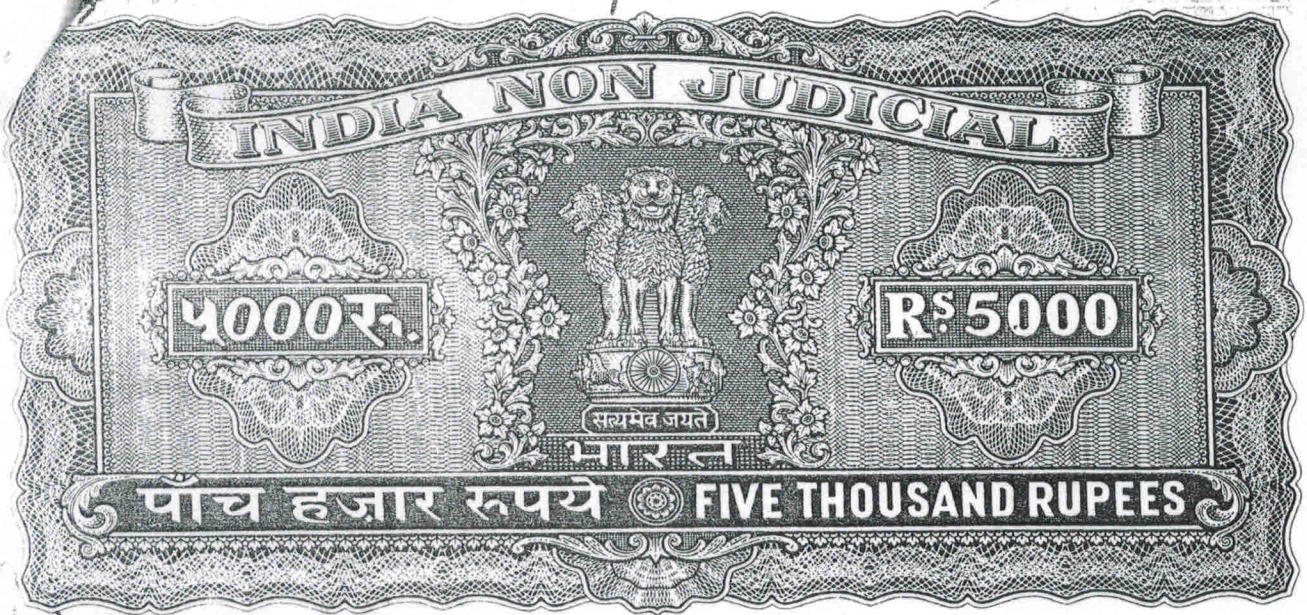

INDIA NON JUDICIAL

५०००रु.

Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हज़ार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

Stamp duty Paid under I. S. Act 1899 Rs. 5050-00
Under Municipal Act ... Rs. ... 960-00
Under Development Act ... Rs. ... 960-00

नाम लेख्यकारी, पिता का नाम वो निवास स्थान आदि।	श्री सिद्धीनाथ उपाध्याय पिता स्व पंडित बद्री नाथ उपाध्याय, जाति ब्राह्मण, पेशा काश्तकारी, निवास स्थान दुमका टाउन, थाना दुमका टाउन, सबडिवीजन वो रजिस्ट्री ओफिस दुमका जिला दुमका ।
नाम क्रेता, पिता का नाम वो वास स्थान आदि।	श्री रामाधार सिंह पिता श्री राम जनम सिंह, जाति राजपूत, पेशा खेती आदि निवास स्थान बिश्रामपुर, थाना इमामगंज, जिला गया, उपस्थित वास स्थान दुमका टाउन, थाना, सबडिवीजन वो रजिस्ट्री ओफिस दुमका जिला दुमका।
लेख्य प्रकार :-	विक्रय पत्र (सेल डीड) ।

(3) 2000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

२०००रु. Rs 2000

सत्यमेव जयते

भारत

दो हजार रुपये TWO THOUSAND RUPEES

सम्पत्ति का मूल्य :- मो० ४८,०००/- (अड़तालिस हजार रुपये) मात्र।

सम्पत्ति का पूर्ण विवरण जिसे विक्रय करते हैं।

तफसील हक बसौढ़ी अराजे पड़ती मय कुल हक वो हकूक वाके मौजा नया दुमका नं०-७, तालूक घाट दुमका, तपे बेलपत्ता, थाना, सबडिवीजन वो रजिष्ट्री ऑफिस दुमका जिला दुमका, तौजी नं० ६ दुमका स्टेट के वाके है अन्दर दुमका नगरपालिका वार्ड नं०-१२ होल्डिंग नम्बर नहीं है चूंकि जमीन पड़ती है। बसौढ़ी जमाबन्दी नं०- २२/५२ खसरा प्लॉट नं० १८ (अठारह) का अंश, रकवा ०-२-६ (दो कट्ठा छः धूर) मात्र, सालाना खजाना मुताबिक रसीदी, मुताबिक मानचित्र जो इस दलील के साथ संलग्न है एवं जो सम्पूर्ण लाल रंग से अंकित है, जिसका चौहद्दी इस प्रकार है :-

उत्तर :- ४ फुट खास गली बाद मकान किन्दा सिंह।

दक्षिण :- २१ फुट प्रोपोज रोड।

पूरब :- १२ फुट प्रोपोज रोड।

पश्चिम :- इसी दाग नं० १८ का अंश जिसे श्री कृष्णानन्द जी ने क्रय की है।

विदित हो कि लेख्यकारी ने बसौढ़ी अराजी पड़ती रकवा ०-९-५ वाके मौजा नया दुमका नं०-७, तालूक घाट दुमका,

थाना दुमका टाउन, के अन्दर दाग नं० १८ को जमींदार दुमका स्टेट से बजरिये पट्टा दलील के द्वारा प्राप्त किये हैं, जिस पट्टा दलील की रजिस्ट्री दुमका रजिस्ट्री ऑफिस में हुई है, जिसका पुस्तक संख्या-१, जिल्द सं०-२, पृष्ठ संख्या ४४५ से ४४९ में निबंधित जिसकी संख्या २६१ सन १९४७ ई० है । यह सम्पत्ति लेख्यकारी की स्व-उपार्जित सम्पत्ति है एवं विक्रय आदि करने का पूर्ण अधिकार प्राप्त है । सम्पत्ति लेख्यकारी के दखल वो कब्जे में निर्विघ्न वो निर्विवाद चला आ रहा है । लेख्यकारी को उक्त सम्पत्ति में उनका अटूट स्वत्व है एवं सलाना खजाना आदि नाम से अपने देते चले आ रहे हैं ।

यह कि लेख्यकारी को अभी अन्यत्र गृहादि निर्माण कराने के लिए एवं दीगर सांसारिक कामों के लिए रुपये की आवश्यकता हो गयी है वो बेला किए विक्रय उक्त बसौडी अराजी रकबा ०-२-६ अन्दर नया दुमका नं०-७, थाना दुमका टाउन, दाग नं० १८ मुताबिक मानचित्र जो इस दलील के साथ संलग्न है एवं जो सम्पूर्ण लाल रंग से अंकित है, के रुपये का मिलना कठिन है। इसलिए उक्त सम्पत्ति को मो० ४८,०००/- रुपया मूल्य में विक्रय करने का सोहरत किया । लेख्यकारी के इस इरादा को जानकर आप क्रेता श्री रामाधार सिंह पिता श्री रामजनम सिंह, उपस्थित निवास स्थान दुमका टाउन, वाले जी ने उक्त सम्पत्ति को देखा एवं मो० ४८,०००/- रु० मूल्य में क्रय करने के लिए प्रस्तुत हुए । यह कीमत इस समय के बाजार का सर्वोच्च मूल्य है एवं समाहर्ता द्वारा निर्धारित मूल्य के अनुसार है । इसलिए लेख्यकारी अपनी राजी खुशी से प्रसन्नचित स्वस्थ्य मस्तिष्क की दशा में रहकर बेला जबर दबाव वो बहकाव किसी दूसरे के उक्त क्रेता श्री रामाधार सिंह जी से मूल्य का मो० ४८,०००/- रु० नगदी पाकर उपर वर्णित इस दलील के खाना नं० ५ की बसौडी सम्पत्ति को आप क्रेता महोदय को विक्रय कर दिया तथा उक्त सम्पत्ति के उपर आप क्रेता महोदय को आज की तिथि से कब्जा ठीक अपने तुल्य करवा

दिया। इस सम्पत्ति में लेख्यकारीको आजतक जिस किस्म का स्वत्व, स्वामित्व वो अधिकार प्राप्त था अथवा जो कुछ भविष्य में प्राप्त होता वह सब ठीक उसी प्रकार आप क्रेता महोदय को आज की तिथि से प्राप्त हो गया। अब आप क्रेता महोदय आज की तिथि से उत सम्पत्ति के उपर काबिज वो दखलकार होकर वो रहकर पुश्त-दर-पुश्त भोग दखल किया करें तथा इच्छानुसार दान, विक्री आदि करें। यह सम्पत्ति सभी प्रकार से स्वच्छ है। इस पर किसी प्रकार का ऋण आदि नहीं है और न ही किसी अन्य व्यक्ति के पास मोरगेज आदि भी किया है। यह सम्पत्ति सभी प्रकार से स्वच्छ है। अगर भविष्य में इस सम्पत्ति पर अथवा इसके किसी अंश पर किसी किस्म का ऋण आदि अथवा और किसी किस्म का दोष पाया जाय जिसके कारण आप क्रेता मय वारिसान को इस सम्पत्ति से अथवा इसके किसी अंश से बेदखल हो जाना पड़े तो वैसे हालत में हम लेख्यकारी मय वारिसान आप क्रेता मय वारिसान को कुल मूल्य व्यय ब्याज सहित लौटा देने केलिए कानूनी बाध्य रहेंगे। कहने का मतलब यह है कि सम्पत्ति हरेक बारदेन पाक साफहै। इसमें किसी किस्म का बारदेन नहीं है। यह सम्पत्ति लेख्यकारी के स्वउपार्जित सम्पत्ति है। इसमें कोई दूसरा भागीदार नहीं है। इस सम्पत्ति के लेकर भविष्य में यदि और किसी किस्म का दलील आदि बनवाने की आवश्यकता पड़े तो वैसे हालतमें हम लेख्यकारी मय वारिसान आप क्रेतामय वारिसान के खर्चे से उस तरह का दलील आदि निष्पादन करने के लिये कानूनी बाध्य रहेंगे।

यह कि इस सम्पत्ति के लेकर जिस किस्म का कागजात दलील, रसीद आदि हम लेख्यकारी के पास था वह सब आप क्रेता महोदय को दे दिया।

मूल्य का सम्पूर्ण रुपया क्रेता महोदय से पाया। कुछ भी बाकी नहीं रहा। भविष्य में मूल्य न पाने के बारे में उजूर वो आपत्ति करें तो वह नाजायज होगा।

अब आप क्रेता महोदय को चाहिए उत सम्पत्ति के लेकर

(6)

अंचल कार्यालय दुमका में आवेदन पत्र देकर अपना नाम दाखिल खारीज करवा लेंगे तथा वार्षिक राजस्व आदि नाम से अपने दिया करेंगे। एवं सक्षम अदालत द्वारा नक्शा पास करवा कर गृहादि निर्माण करायेंगे एवं नगरपालिका के कार्यालय दुमका में भी अपना नाम दर्ज करवा कर नगरपालिका कर आदि नाम से अपने दिया करेंगे।

यह सब एकरार कर देकर यह विक्रय पत्र बहक आप क्रेता श्री रामाधार सिंह पिता श्री रामजनम सिंह, निवास स्थान दुमका टाउन, थाना, सबडिवीजन वो रजिस्ट्री ऑफिस दुमका जिला दुमका वाले जी के प्रति तहरीर वो तामिलकर दिया जो प्रमाण रहे तथा समय पर काम आवे। इति-आज तारीख २४-१०-९४ ई०।

टंकित किया,
[illegible signature]
टंकक, दुमकाकोर्ट।
24.10.94

टंकित की हुई इस विक्रयपत्र को पढ़कर सुना दिया है जिन्होंने मेरे सामने अपना हस्ताक्षर किये हैं [illegible]
[illegible signature]
सा० दुमकाटाउन
24.10.94

[illegible signature]
[illegible signature]

(7)

(1)

LAND OF DUMKA TOWN NO 7

LAND SOLD BY:- SRI. SIDHINATH UPADHAY
S/O LATE PANDIT BADRI NATH-
UPADHAY

BOSORI JAMA BANDI NO 22/32 PART PLOT NO 18

AREA B-K-D
0-2-6 { 1656 SQ FT.
1656

PURCHASED BY SRI RAMADHIR SINGH

AREA	
B-K-D	S/O SRI. RAM JANAM SINGH
0-2-6	DUMKA TOWN DUMKA
1656 SQ FT	PURCHASED LAND SHOWN IN RED
	N/SIDE:- 4'-0" GALI AND HOUSE OF BINDA SINGH
	S/SIDE:- 21'-0" PROPOSED ROAD
	E/ " 12'-0 PROPOSED ROAD
	W/ " PART PLOT NO. 18.

N

S

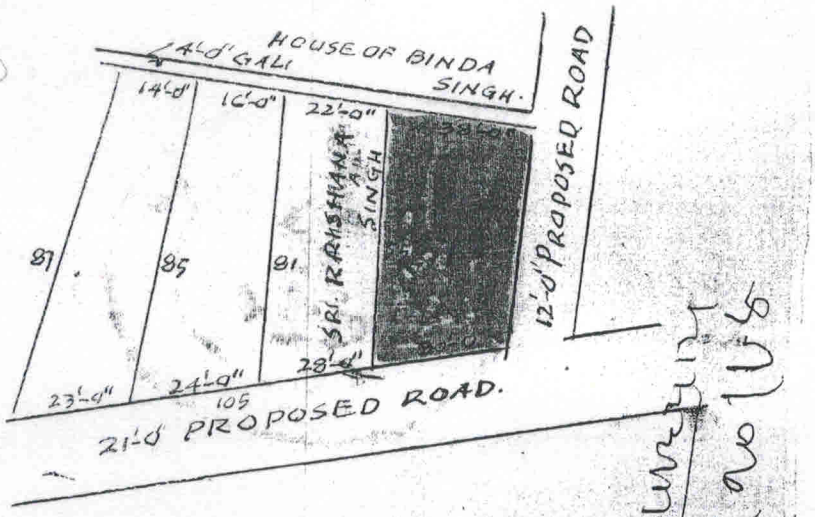

THE DUPLICATE PLAN IS EXACT
AND TRUE COPY OF THE ORIGINAL.
T. BY S. Azmi
23/X/94